प्रश्न-पत्र – 3: उन्नत लेखापरीक्षा, आश्वासन और व्यावसायिक नैतिकता

प्रश्न

भाग क: बहुविकल्पीय प्रश्न

एकीकृत केस परिदृश्य

कॉमटेक लिमिटेड, जो पिछले दो वर्षों से बाजार पूंजीकरण के हिसाब से बीएसई पर सूचिबद्ध शीर्ष 1000 कंपनियों में शामिल है, अपनी वेबसाइट के ज़रिए उपभोक्ताओं को सीधेआ ईटी और इससे संबंधित उपकरण बेचती है।

एक दिन कंपनी के सीएफओ को प्रबंध निदेशक (एमडी) से एक वीडियो कॉल आया जिसमें उन्हें एनएक्सटी लिमिटेड के बैंक खाते में 90 लाख रुपये ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया। सीएफओ द्वारा पूछे जाने पर प्रबंध निदेशक ने बताया कि एनएक्सटी के उत्पाद फास्ट-मूविंग हैं और कंपनी के राजस्व में उनकी हिस्सा 30% का है। इसके अलावा, भुगतान की राशि स्वीकृत सीमा के भीतर है और बिना किसी अन्य मंजूरी के आसानी से भेजी जा सकती है। स्पष्टीकरण से संतुष्ट होकर सीएफओ ने पैसे का हस्तांतरण कर दिया।

महीने के अंत में, बैंक सुलह विवरण तैयार करते समय, सीएफओ को पता चला कि एनएक्सटी लिमिटेड को 90 लाख रुपये के पांच वृद्धिशील भुगतान (इंक्रीमेंटेल पेमेंट) किए गए थे। इन भुगतानों का मिलान नहीं किया गया था और खाताबही में इसकी कोई संगत प्रविष्टि नहीं हुई है। सीएफओ ने एमडी को इस स्थिति से अवगत कराया, उन्हें उस वीडियो कॉल की याद दिलाई जिसमें उन्हें यह भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, एमडी ने ऐसा कोई वीडियो कॉल करने की बात से इनकार कर दिया।

सीएफओ और प्रबंध निदेशक ने एक फोरेंसिक विशेषज्ञ को नियुक्त किया, जिसने पाया कि कंपनी पर एआई उपकरणों का उपयोग करके साइबर हमला किया गया था। जांच में आगे पता चला कि सीएफओ को किया गया वीडियो कॉल फर्जी था और यह कॉल कंपनी के लैपटॉप से नहीं की गई थी। हैकर्स ने सीएफओ के लैपटॉप का एक्सेस पा लिया था और बैंक विवरण तथा उसकी प्राधिकृति जानकारी पा ली थी। कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और उचित अधिकारियों को घटना की सूचना दी।

जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान, कंपनी के लेखापरीक्षक ने पाया कि आईटी परिवेश से महत्वपूर्ण जोखिम होता है। लेखापरीक्षक ने आकलन किया कि वित्तीय विवरणों को तैयार करने में उपयोग की जाने वाली प्रमुख वित्तीय प्रणाली साइबर हमले के दौरान जोखिम में थी। लेखापरीक्षक ने ज्ञात सुरक्षा घटनाओं से संबंधित प्रबंधन द्वारा लिए गए निर्णयों पर भी विचार किया। लेखापरीक्षक ने जोखिम प्रबंधन टीम और मुख्य सूचना अधिकारी से साइबर सुरक्षा जोखिम के उनके आकलन और इस जोखिम को कम करने हेतु किए गए उपायों को समझने के लिए पूछताछ की, जिसमें वित्तीय विवरणों को तैयार करने में उपयोग की जाने वाली प्रमुख वित्तीय प्रणालियों पर अधिक ध्यान दिया गया। लेखापरीक्षक ने साइबर घटना के बारे में प्रशासन के जिम्मेदार लोगों से भी बातचीत की। आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, लेखापरीक्षक ने माना कि इसके लिए 20% तक अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। लेखापरीक्षक ने विशेषज्ञों की सहायता से, वित्तीय विवरणों को तैयार करने में उपयोग की जाने वाली प्रमुख वित्तीय प्रणालियों पर संभावित प्रभाव के प्रबंधन के आकलन की समीक्षा की।

कंपनी का प्रबंधन साइबर सुरक्षा संबंधी घटना से निपटने के दौरान लेखापरीक्षक द्वारा किए गए कार्य और तत्परता से प्रभावित था। उन्होंने लेखापरीक्षक के गहन ज्ञान, लेखापरीक्षक द्वारा आईटी विशेषज्ञ को समय पर शामिल करने तथा साइबर सुरक्षा की घटनाओं से निपटने के अनुभव की विशेष सराहना की। प्रबंधन को लगा कि लेखापरीक्षक कंपनी के आईटी सिस्टम की गहन लेखापरीक्षा करने हेतु उपयुक्त व्यक्ति रहेगा। लेखापरीक्षक की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए, प्रबंधन ने सिस्टम की लेखापरीक्षा करने हेतु लेखापरीक्षक को नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा।

कंपनी के हितधारकों का मानना है कि प्रबंधन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद द्वारा निर्धारित एकीकृत रिपोर्टिंग तैयार की जानी चाहिए। इसका प्राथमिक उद्देश्य वित्तीय पूंजी के प्रदाताओं को यह समझाना था कि कंपनी समय के साथ कैसे लाभ कमाती है,

संरक्षित करती है या नष्ट करती है। एकीकृत रिपोर्ट कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, व्यापार भागीदारों, स्थानीय समुदायों, विधायकों, नियामकों एवं नीति-निर्माताओं सहित समय के साथ मूल्य सृजन करने की कंपनी की क्षमता में रुचि रखने वाले सभी हितधारकों के लाभ के लिए वित्तीय और अन्य दोनों तरह की प्रासंगिक जानकारी प्रदान करेगी।

उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर, आपको निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने हैं:

1. दिए गए मामले में, कंपनी पर किया गया साइबर हमला इस नाम से जाना जाता है:

   (क) स्पूफिंग
   (ख) सेवा हमले का खंडन
   (ग) मैलवेयर
   (घ) पहचान आधारित हमला

2. सहभागिता भागीदार इस बात को लेकर असमंजस में है कि साइबर हमले की घटना से लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रभावित होगी या नहीं। उचित रिपोर्टिंग निहितार्थ क्या है:

   (क) लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसका कोई निहितार्थ नहीं है क्योंकि वित्तीय घाटे को पहले ही वित्तीय विवरणों में चिन्हित कर दिया गया है।

   (ख) लेखापरीक्षा की राय को योग्य माना जाएगा क्योंकि साइबर हमले के कारण नुकसान की राशि वृद्धिशील (इंक्रीमेंटेल) है और इसकी परिचालन गतिविधि की वजह से नहीं है।

   (ग) विषय पर जोर देने वाले पैराग्राफ को शामिल करना क्योंकि साइबर सुरक्षा की घटनाएं वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं के ध्यान हेतु डिफ़ॉल्ट रूप से मौलिक हैं।

   (घ) रिपोर्ट को मुख्य लेखापरीक्षा विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, क्योंकि वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में साइबर घटना सर्वाधिक महत्वपूर्ण थी।

3. कंपनी अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद में निहित और सेबी द्वारा अनुमोदित एक एकीकृत रिपोर्ट तैयार करना चाहती है। कंपनी सचिव का मानना है कि सूचीबद्ध संस्था के लिए एकीकृत रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है। इस संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?

   (क) कंपनी सचिव का दृष्टिकोण सही है क्योंकि कंपनी ने पिछले वर्ष के अंत में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्ता की अर्हता सीमा को पूरा किया है।

   (ख) कंपनी सचिव का दृष्टिकोण गलत है क्योंकि शीर्ष 500 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए एकीकृत रिपोर्टिंग तैयार करना स्वैच्छिक है।

   (ग) कंपनी सचिव का दृष्टिकोण सही है क्योंकि कंपनी ने चालू वर्ष के अंत में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 1000 सूचीबद्ध इकाई की अर्हता सीमा को पूरा कर लिया है।

   (घ) कंपनी सचिव का दृष्टिकोण गलत है क्योंकि शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए एकीकृत रिपोर्टिंग तैयार करना स्वैच्छिक है।

4. एकीकृत रिपोर्टिंग में पूंजी की 6 श्रेणियां शामिल हैं। कंपनी ने पाया कि उसने तुलन-पत्र में अमूर्त परिसंपत्तियों (पेटेंट) और रूफ टॉप सोलर उपकरणों को पूंजीकृत किया है। एकीकृत रिपोर्ट में पेटेंट और सोलर उपकरणों का प्रकटीकरण क्रमशः इस प्रकार किया जाना चाहिए:

   (क) वित्तीय पूंजी और निर्मित पूंजी।

   (ख) प्राकृतिक पूंजी और वित्तीय पूंजी।

   (ग) बौद्धिक पूंजी और प्राकृतिक पूंजी।

   (घ) मानव पूंजी और बौद्धिक पूंजी।

5. क्या लेखापरीक्षक कॉमटेक लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित सिस्टम ऑडिट को स्वीकार कर सकता है?

(क) हां, सांविधिक लेखा परीक्षक सिस्टम ऑडिट का कार्य स्वीकार कर सकता है, बशर्ते इसमें वित्तीय डेटा और सूचना की कोई जांच/समीक्षा शामिल न हो।

(ख) हां, वैधानिक लेखा परीक्षक सिस्टम ऑडिट का कार्य स्वीकार कर सकता है, बशर्ते इसमें वित्तीय डेटा और सूचना की कोई जांच/समीक्षा शामिल हो।

(ग) हां, सांविधिक लेखा परीक्षक सिस्टम ऑडिट का कार्य स्वीकार कर सकता है, बशर्ते सिस्टम ऑडिट का शुल्क ऑडिट शुल्क से अधिक न हो।

(घ) नहीं, सांविधिक लेखापरीक्षक सिस्टम ऑडिट का कार्य स्वीकार नहीं कर सकता क्योंकि इसमें वित्तीय आंकड़ों और सूचना की कोई जांच/समीक्षा शामिल नहीं थी।

अलग से दिए गए एमसीक्यू

6. नवंबर 2022 में सीए के रूप में योग्यता प्राप्त करने वाले विजय ने दिल्ली में अपनी प्रोफेशनल प्रेक्टिस शुरू की। चूँकि उनके पास अन्य कार्यों को करने हेतु पर्याप्त समय है, इसलिए वे निम्नलिखित चार विकल्पों पर विचार कर रहे हैं:

- संस्थान के कोचिंग संगठन के अंतर्गत अंशकालिक ट्यूटरशिप
- व्यावसायिक पत्रिकाओं के अलावा अन्य पत्रिकाओं का संपादन
- बैंकिंग क्षेत्र में रिकवरी कंसल्टेंट के रूप में कार्य करना
- कृषि भूमि खरीदाना तथा कृषि संबंधी कार्यकलाप करना।

उपर्युक्त सभी गतिविधियों के लिए परिषद से कोई विशिष्ट और पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता है?

(क) व्यावसायिक पत्रिकाओं के अलावा अन्य पत्रिकाओं के संपादन हेतु विशिष्ट एवं पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है।

(ख) अंशकालिक ट्यूटरशिप और रिकवरी कंसल्टेंट के रूप में कार्य करने के लिए विशिष्ट और पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है।

(ग) रिकवरी कंसल्टेंट के रूप में कार्य करने, कृषि भूमि खरीदने तथा कृषि संबंधी कार्यों के लिए विशिष्ट एवं पूर्व अनुमति आवश्यक है ।

(घ) व्यावसायिक पत्रिकाओं के अलावा अन्य पत्रिकाओं के संपादन और कृषि गतिविधि के लिए विशिष्ट और पूर्व अनुमति आवश्यक है।

7. शिप्रा लिमिटेड के लेखापरीक्षक सीए आरके ने निजी कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सीए एसपी को निदेशक मंडल द्वारा कंपनी का अगला लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया है। क्या 2023-24 की लेखापरीक्षा के दौरान सीए एसपी को कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश 2020 में सीए आरके के इस्तीफे का उल्लेख करना चाहिए?

(क) नहीं। सीएआरओ 2020 में लेखापरीक्षक के इस्तीफे का विवरण देने की कोई आवश्यकता नहीं बताई गई है। हालाँकि, एसए 706 के अनुसार, सीए एसपी द्वारा लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अन्य मामले से संबंधित पैराग्राफ में इसका उल्लेख किया जाना चाहिए।

(ख) हां। सीएआरओ के पैरा 3 के खंड (xviii) के अनुसार, सीए एसपी को सीए आरके के इस्तीफे का विवरण देना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या उन्होंने सीए आरके द्वारा उठाए गए मुद्दों या आपत्तियों पर विचार किया है।

(ग) नहीं। चूंकि सीए आरके ने इस्तीफा अपने व्यक्तिगत कारण से दिया है, इसलिए इसे सीएआरओ के तहत रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है।

(घ) हां। सीएआरओ के पैरा 3 के खंड (xxi) के अनुसार, सीए एसपी को सीए आरके के इस्तीफे का विवरण देना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या उन्होंने सीए आरके द्वारा उठाए गए मुद्दों या आपत्तियों पर विचार किया है।

8. एसएमएन लिमिटेड एक प्रबंधन परामर्श फर्म है और पिछले 15 वर्षों से परिचालन में है। कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया काफी सुदृढ़ है, और इसके वैधानिक लेखा परीक्षकों ने इसकी स्थापना के बाद से कंपनी के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर अच्छी रिपोर्ट जारी की है। कंपनी अधिनियम 2013 के तहत अनिवार्य ऑडिट रोटेशन के कारण, एमएनओ एंड एसोसिएट्स को 31 मार्च 2024 को समाप्त होने

वाले वित्तीय वर्ष के लिए नया लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया था। लेखापरीक्षा के दौरान, एमएनओ एंड एसोसिएट्स ने चालू वर्ष के वित्तीय और प्रारंभिक शेष राशि दोनों की लेखापरीक्षा की। लेखापरीक्षा के दौरान कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई और लेखापरीक्षक अच्छी रिपोर्ट जारी करना चाहते हैं, उन्होंने ड्राफ्ट रिपोर्ट में एक "अन्य मामले" पैराग्राफ शामिल किया, जिसमें कहा गया कि पिछले वर्ष की वित्तीय लेखापरीक्षा किसी अन्य लेखापरीक्षक द्वारा की गई थी। इसपर प्रबंधन ने अनुरोध किया कि इस संदर्भ को हटा दिया जाए क्योंकि एमएनओ एंड एसोसिएट्स ने प्रारंभिक शेष राशि की भी लेखापरीक्षा की है, इसलिए इस तरह के संदर्भ की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, लेखापरीक्षक प्रबंधन से सहमत नहीं थे। कृपया लेखापरीक्षक या प्रबंधन को सही मार्गदर्शन के साथ सलाह दें, इनमें से जो भी गलत है।

(क) प्रबंधन का तर्क वैध है। सभी लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं करने के बाद, लेखापरीक्षक को अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में ऐसे संदर्भ शामिल करके किसी अन्य लेखापरीक्षक को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए।

(ख) किसी भी लेखापरीक्षक के पास दो विकल्प हैं, या तो वह प्रारंभिक शेष की लेखापरीक्षा करे या अपनी रिपोर्ट में किसी दूसरे लेखापरीक्षक का संदर्भ दे। कोई भी लेखापरीक्षक इन दोनों चीजों को एक साथ नहीं कर सकता जैसा कि इस लेखापरीक्षक ने किया है। यह पूरी तरह से गैर-पेशेवर है।

(ग) इस स्थिति में यदि लेखा परीक्षक ऐसा संदर्भ देना भी चाहे तो प्रबंधन और लेखा परीक्षक को नये लेखा परीक्षक की नियुक्ति के समय पूर्व लेखा परीक्षक से अनुमोदन लेना चाहिए। इस मामले में ऐसा नहीं किया जा सकता।

(घ) लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सही है और लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप है। लेखा परीक्षक को अपनी रिपोर्ट में अन्य मामले के पैराग्राफ के अंतर्गत ऐसा संदर्भ देना आवश्यक है, जिसमें लागू होने पर पिछले लेखा परीक्षक का संदर्भ देना आवश्यक होता है।

भाग ख: वर्णनात्मक प्रश्न

लेखापरीक्षा पर मानक, विवरण एवं मार्गदर्शन टिप्पणी

लेखापरीक्षा योजना, रणनीति और कार्यान्वयन

9. आरपीएस लिमिटेड ने अपनी वार्षिक आम बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 की लेखापरीक्षा के लिए श्री आर, श्री पी और श्री एस को संयुक्त लेखापरीक्षक नियुक्त किया। कंपनी की नवनिर्मित अवसंरचना परियोजना के मूल्यांकन के लिए, श्री आर, श्री पी और श्री एस ने अपने स्वयं के ज्ञात इंजीनियरों से परामर्श करने का निर्णय लिया। मतभेदों के कारण, प्रत्येक संयुक्त लेखा परीक्षक ने अपने-अपने इंजीनियरों से सलाह मांगी। नतीजतन, इंजीनियरों द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्टों में कई बड़ी विसंगतियां पाई गईं। हालांकि , श्री आर श्री पी के इंजीनियर द्वारा प्रदान की गई रिपोर्ट से सहमत थे, जबकि श्री एस असहमत थे। श्री आर का तर्क है कि दो लोगों की सहमति के कारण श्री पी के इंजीनियर की रिपोर्ट को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल किया जाना चाहिए।

   श्री पी के इंजीनियर द्वारा दी गई रिपोर्ट बाद में दोषपूर्ण पाई जाती है तो लेखा परीक्षकों की क्या जिम्मेदारी होगी?

भौतिकता, जोखिम मूल्यांकन और आंतरिक नियंत्रण

10. एमरो लिमिटेड पिछले 10 वर्षों से चमड़े के सामान का विनिर्माण एवं व्यापार करने वाली कंपनी है। आप वर्ष 2023-24 हेतु कंपनी के आंतरिक लेखा परीक्षक हैं। कंपनी के आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा करने के लिए, आपने विभागों का दौरा किया और पाया कि:

    (1) क्रय प्रमुख, श्री अमित, क्रय, माल प्राप्त करने तथा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान स्वीकृत करने पर पूर्ण नियंत्रण रखते हैं। कंपनी में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनके कार्यों की समीक्षा नहीं की जाती है।

    (2) कंपनी के कर्मचारी पिछले पांच वर्षों से बिना किसी रोटेशन के एक ही पद पर काम कर रहे हैं। खास तौर पर वित्त प्रबंधक श्री सचिन की ड्यूटी कंपनी ज्वाइन करने के बाद से कभी नहीं बदली गई।

(3) स्टोर मैनेजर, श्री गुप्ता, जो इन्वेंट्री बनाए रखने हेतु जिम्मेदार हैं, इन्वेंट्री का रिकॉर्ड भी रखते हैं।

(क) लेखा परीक्षक के रूप में आपके द्वारा सुनिश्चित की जाने वाली आंतरिक जांच प्रणाली से संबंधित सामान्य शर्तों पर संक्षेप में चर्चा करें।

(ख) क्या आपको लगता है कि दी गई स्थिति में आंतरिक जांच प्रणाली से संबंधित सामान्य शर्तों का उल्लंघन किया गया है?

समापन एवं समीक्षा

11. मुदित एंड एसोसिएट्स को वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु जीआरएफ प्राइवेट लिमिटेड का वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। कंपनी हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर और जिम कॉस्ट्यूम का व्यवसाय करती है। सीए एम ऑडिट असाइनमेंट हेतु एंगेजमेंट पार्टनर है। सीए एम ने लेखापरीक्षा करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर गौर किया:

(i) बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा और डिस्काउंट देने के कारण ग्राहक आधार लगातार कम हो रहा है।

(ii) लेनदारों को भुगतान में देरी हो जाती है तथा बकाए का भुगतान ब्याज सहित करना पड़ता है।

(iii) कंपनी कर्मचारियों और प्रशिक्षकों को समय पर वेतन का भुगतान नहीं कर पा रही हैहै।

(iv) कंपनी के प्रमुख वित्तीय अनुपात, जैसे चालू अनुपात, ऋण-सेवा कवरेज अनुपात, लाल निशान में हैं तथा पिछले वर्ष की तुलना में काफी बिगड़ गए हैं।

(v) कंपनी ने अपने बैंकरों से ₹ 1.5 करोड़ की अतिरिक्त कार्यशील पूंजी ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, लेकिन बैंकर कंपनी के प्रस्ताव पर उचित विचार नहीं कर रहे हैं।

एसए 570- "चालू समुत्थान" के अनुसार उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सीए एम द्वारा कौन सी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए? यदि लेखांकन के चालू समुत्थान आधार का उपयोग करना उचित है, लेकिन कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, और वित्तीय विवरणों में भौतिक अनिश्चितता का पर्याप्त प्रकटीकरण किया गया है, तो लेखा परीक्षक को क्या करना चाहिए?

रिपोर्टिंग

12. वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु नेक्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

विवरण	रुपए (करोड़ में)
व्यापार प्राप्य - प्रतिभूतिरहित सुविचारित माल	225.00
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	50.00
कच्चे माल का स्टॉक	180.00
तैयारशुदा माल का स्टॉक	250.00
कुल परिसंपत्ति	950.00

सीए यश वित्त वर्ष 2023-24 हेतु नेक्स लिमिटेड के वैधानिक लेखा परीक्षक हैं। लेखापरीक्षा के दौरान सीए यश ने निम्नलिखित बातें देखीं:

i. 175 करोड़ रुपये की देनदारियों के संबंध में, लेखापरीक्षा टीम को कोई शेष राशि की पुष्टि नहीं मिली। इसके अलावा, लेखापरीक्षा के वर्ष के दौरान देनदारों ने देय तिथियों पर भुगतान दायित्वों पर चूक की है। कंपनी ने लेखापरीक्षा के वर्ष के दौरान 50 करोड़ रुपये के संदिग्ध ऋणों का प्रावधान बनाया है। कंपनी ने कहा है कि यह प्रावधान 36 महीने से पुराने प्राप्तियों पर आधारित है, जो लेखापरीक्षा टीम के अनुसार अपर्याप्त है और इस तरह लेखापरीक्षा टीम व्यापार प्राप्तियों के वहन मूल्य का पता लगाने में असमर्थ है।

ii. इसके अलावा, इन्वेंटरी (जो कंपनी की कुल परिसंपत्तियों का 45% है) के संबंध में, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, प्रबंधन ने आवधिक अंतराल पर इन्वेंटरी का

भौतिक सत्यापन नहीं किया है। इसके अलावा, कंपनी ने कारखाने में पर्याप्त इन्वेंटरी रिकॉर्ड नहीं बनाए हैं। लेखापरीक्षा टीम इन्वेंटरी की भौतिक गणना करने में असमर्थ थी, इसलिए इन्वेंटरी के मूल्य का सत्यापन नहीं किया जा सका।

दी गई स्थिति में सीए यश को किस तरह की राय देनी चाहिए? एक उपयुक्त राय और राय का आधार बताएं।

संभावित वित्तीय जानकारी और अन्य आश्वासन सेवाएँ

13. क्यूब लिमिटेड ने कंपनी की संभावित वित्तीय जानकारी की जांच करने हेतु लेखापरीक्षक श्री विनीत से संपर्क किया है। वित्तीय जानकारी की संभावित जांच करने हेतु किसी अनुबंध को स्वीकार करने से पहले लेखापरीक्षक को किन कारकों पर विचार करना चाहिए और किन परिस्थितियों में लेखापरीक्षक को ऐसे अनुबंध से मना कर देना चाहिए या उससे पीछे हट जाना चाहिए? इसके अलावा, अनुबंध की शर्तों को औपचारिक बनाने हेतु क्या कदम उठाए जाने चाहिए?

डिजिटल लेखापरीक्षा और आश्वासन

14. श्री करण एक सलाहकार हैं, जिन्हें मध्यम आकार की विनिर्माण कंपनी को इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तकनीक को एकीकृत करके अपने संचालन को आधुनिक बनाने में मदद करने का काम सौंपा गया है। कंपनी विनिर्माण उपकरण, अपनी सुविधा हेतु स्मार्ट होम सिक्योरिटी सिस्टम और इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली जैसे विभिन्न उपकरणों को कनेक्ट चाहती है। उनका उद्देश्य परिचालन दक्षता में सुधार, उपकरण की मेंटेनेंस जरुरतों का पूर्वानुमान लगाने और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आईओटी का इस्तेमाल करना है। हालांकि, वे संभावित जोखिमों और उनकी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। आईओटी के प्रमुख घटकों और लाभों, आईओटी कार्यान्वयन से जुड़े जोखिमों और कंपनी की लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं पर इसके निहितार्थों का वर्णन करें। इस परिवर्तन को आसान बनाने के लिए कंपनी को इन चिंताओं को कैसे संबोधित करना चाहिए?

समूह लेखापरीक्षा

15. आपको इंपीरियल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया है। यह एक सूचीबद्ध कंपनी है जिसका कारोबार 3.5 बिलियन रुपये है और यह देश भर में 15 व्यावसायिक इकाइयों तथा लगभग 200 शाखाओं के माध्यम से काम करती है। इंपीरियल इंडस्ट्रीज लिमिटेड अमेरिकी भवन एवं विनिर्माण बाजार की प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। एक लेखापरीक्षक के रूप में, आप निम्नलिखित मामलों में रिपोर्ट कैसे तैयार करेंगे:

(क) जब घटक(कों) का लेखापरीक्षक मूल कंपनी से भिन्न लेखा ढांचे के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट करता है?

(ख) जब घटक(कों) का लेखापरीक्षक मूल कंपनी से भिन्न लेखापरीक्षा ढांचे के तहत रिपोर्ट करता है?

(ग) जहां एक या एक से अधिक घटकों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की जाती है?

बैंक की लेखापरीक्षा

16. आपकी फर्म एबीसी एसोसिएट्स को वर्ष 2023-24 हेतु किसी राष्ट्रीयकृत बैंक का केंद्रीय वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। बैंक वित्तीय वर्ष को लेखा वर्ष के रूप में मानता है। लेखापरीक्षा के दौरान, सीए आदी, लेखापरीक्षा प्रबंधक ने निम्नलिखित विषयों पर ध्यान दिया और उन्हें टीम के समक्ष रखा।

विवरण	
प्राइम लिमिटेड को कंसोर्टियम नकद ऋण सुविधाएं।	₹ 75 करोड़
नकद ऋण सुविधाओं में बैंक की अपनी हिस्सेदारी	₹ 15 करोड़
पिछली दो तिमाहियों में ब्याज हेतु डेबिट (नामे)	₹ 2.25 करोड़
पिछले दो तिमाहियों में प्राइम लिमिटेड के खाते में जमा	₹ 1.75 करोड़
प्राइम लिमिटेड के खाते का वर्गीकरण (लीड बैंक के प्रमाण पत्र के आधार पर)	प्रदर्शन खाता

लेखा परीक्षक के रूप में आप उपर्युक्त मामले से कैसे निपटेंगे?

आंतरिक लेखा परीक्षा

17. ऋषि को एक मध्यम आकार की विनिर्माण कंपनी एसपीओएम लिमिटेड का आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि सीए नितिन एसपीओएम लिमिटेड के वैधानिक लेखा परीक्षक हैं।

(क) समीक्षा के दौरान, ऋषि को संवितरण रिकॉर्ड में कई विसंगतियों का पता चला और संदेह जताया कि आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में कुछ कमियाँ हो सकती हैं। इसके अलावा, कंपनी की व्यावसायिक नीतियों में हाल ही में कुछ बदलाव हुए हैं जिनके बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी। ऋषि अपनी स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता बनाए रखने को लेकर चिंतित हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रबंधन इन बातों से अवगत हो। संगठन के लेखांकन कार्य और वित्तीय रिकॉर्ड के संबंध में आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में ऋषि की क्या ज़िम्मेदारियाँ हैं?

(ख) सीए नितिन ने ऋषि से चालू समुत्थान धारणा के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के संबंध में प्रत्यक्ष सहायता प्रदान करने हेतु कहा। लेखापरीक्षा मानकों के मद्देनजर, क्या नितिन ऊपर बताए अनुसार ऋषि से प्रत्यक्ष सहायता मांग सकते हैं?

सम्यक् तत्परता, जांच और फोरेंसिक लेखांकन

18. सीए राजुल को एपीपी बैंक लिमिटेड की किसी शाखा में क्रेडिट मैनेजर नियुक्त किया गया है। पीक्यूआर लिमिटेड ने अपनी सामान्य व्यावसायिक जरुरतों को पूरा करने हेतु 12 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधाओं को मंजूरी देने का अनुरोध लेकर शाखा से संपर्क किया है। यह बैंक का एक संभावित नया ग्राहक है। उसने कंपनी के पिछले विवरण, इसके प्रमोटरों और निदेशकों से संबंधित जानकारी, शेयरधारिता पैटर्न और इसके व्यवसाय की प्रकृति की समीक्षा की है। उसने पिछले वर्षों के वित्तीय परिणामों और भविष्य के अनुमानों का भी आकलन किया। इसके अलावा, उन्होंने कंपनी का स्वॉट विश्लेषण भी किया है।

उसने निदेशकों की निवल परिसंपत्ति का मूल्यांकन भी किया है, सिबिल स्कोर की जांच भी की है, और सत्यापित किया है कि प्रमोटरों या निदेशकों के नाम आरबीआई डिफॉल्टर्स की सूची में हैं या नहीं। इसके अलावा, वह शाखा के कुछ ग्राहकों से कंपनी, उसके प्रमोटरों और निदेशकों की साख के बारे में सावधानीपूर्वक पूछताछ करती है जो इसी तरह की गतिविधि में लगे हुए हैं।

उपरोक्त के आधार पर:

(क) सी.ए. राजुल द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं की पहचान करें तथा उसकी प्रकृति पर चर्चा करें।

(ख) यदि यह गतिविधि किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाती जो चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में योग्य नहीं है, तो क्या आपका उत्तर भिन्न होता? क्या कोई ऐसा व्यक्ति जो सीए नहीं है, ऐसी गतिविधि कर सकता है? कारण बताइए।

(ग) किन्हीं तीन अन्य क्षेत्रों के नाम बताइए जहां चिन्हित की गईं गतिविधि की जा सकती है।

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) और पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रशासन (ईएसजी) आश्वासन

19. कपिल को किसी कंपनी की व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) पर आश्वासन प्रदान करने हेतु बाहरी लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, उन्हें ऐसी व्यापक पद्धति का पालन करने की आवश्यकता है जिसमें कई चरण शामिल हैं। बीआरएसआर पर आश्वासन प्रदान करने हेतु कपिल को किस पद्धति का पालन करना चाहिए?

लेखा परीक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता और दायित्व

20. (क) सीए वायु, विवा लिमिटेड के लेखापरीक्षक हैं, जिसका टर्नओवर 200 करोड़ रुपये से अधिक है। वर्ष हेतु लेखापरीक्षा का शुल्क 80 लाख रुपये तय किया गया है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने सीए वायु को 1.75 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक पर कुछ मामलों के लिए आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रतिनिधित्व का कार्य सौंपा है।

सीए वायु ने यह कार्य स्वीकार कर लिया है। सनदी लेखाकार (संशोधन) अधिनियम, 2006 और उसके अनुसूचियों के प्रावधानों के संदर्भ में सीए वायु द्वारा किए जाना वाली कार्रवाई पर चर्चा करें।

(ख) चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक फर्म संजीव एंड एसोसिएट्स ने त्रैमासिक ई-टीडीएस रिटर्न दाखिल करने हेतु एक पीएफ कार्यालय, चेंबूर की एक निविदा में आवेदन किया। निविदा की शर्तें इस प्रकार हैं:

(i) 7,500/- रूपये की बयाना राशि जमा

(ii) यह सभी श्रेणियों के लिए ओपन निविदा है

(iii) अधिकतम शुल्क ₹7,500/- प्रति तिमाही

चर्चा करें कि क्या संजीव एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 और उसकी अनुसूचियों के प्रावधानों के संदर्भ में उक्त निविदा में आवेदन कर सकते हैं।

सुझाए गए उत्तर/संकेत

भाग क: बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. **(क)**

2. **(घ)**

3. **(ख)**

4. **(ग)**

5. **(क)**

6. **(क)**

7. **(ख)**

8. **(घ)**

भाग ख: वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर

9. **लेखापरीक्षक विशेषज्ञ के कार्य का उपयोग:** एसए 620 "लेखा परीक्षक के विशेषज्ञ के कार्य का उपयोग" के अनुसार, जटिल वित्तीय साधनों, भूमि एवं भवन, संयंत्र व मशीनरी, आभूषण, कला संबंधी कार्य, प्राचीन वस्तुएं, अमूर्त परिसंपत्ति, व्यावसायिक संयोजनों के ज़रिए अर्जित परिसंपत्ति और देनदारियों व क्षतिग्रस्त परिसंपत्ति आदि के मूल्यांकन में विशेषज्ञता की आवश्यकता हो सकती है, हालांकि, व्यक्त की गई लेखा परीक्षा राय की पूरी जिम्मेदारी लेखा परीक्षक की होती है, और लेखा परीक्षक द्वारा किसी विशेषज्ञ के कार्य उपयोग से यह जिम्मेदारी प्रभावित नहीं होती है।

लेखापरीक्षक, लेखापरीक्षक के प्रयोजनों हेतु अपने विशेषज्ञ के कार्य की सटीकता का आंकलन करेगा, जिसमें उस विशेषज्ञ के निष्कर्षों या निष्कर्षों की प्रासंगिकता एवं तर्कसंगतता, तथा एसए 500 के अनुसार अन्य लेखापरीक्षा साक्ष्यों के साथ उनकी सुसंगतता शामिल है।

इसके अलावा, एसए 620 के मद्देनजर, यदि विशेषज्ञ के कार्य में महत्वपूर्ण मान्यताओं और विधियों का उपयोग शामिल है, तो उन मान्यताओं तथा विधियों की प्रासंगिकता और तर्कसंगतता को लेखा परीक्षक द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए और यदि विशेषज्ञ के कार्य में स्रोत डेटा का उपयोग किया गया है जो उस विशेषज्ञ के कार्य हेतु महत्वपूर्ण है, तो परिस्थितियों में उस स्रोत डेटा की प्रासंगिकता, पूर्णता और सटीकता को लेखा परीक्षक द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए।

इस मामले में, श्री आर, श्री पी और श्री एस, जिन्हें आरपीएस लिमिटेड का संयुक्त रूप से लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया था, ने नवनिर्मित अवसंरचना परियोजना के मूल्यांकन हेतु अपने स्वयं के ज्ञात इंजीनियर की मदद ली। इंजीनियर एसए 620 के अनुसार लेखापरीक्षक के विशेषज्ञ हैं। श्री पी के संदर्भित इंजीनियर ने मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की, जिसे बाद में दोषपूर्ण पाया गया। इसके अलावा, श्री एस इस रिपोर्ट से सहमत नहीं हैं, इसलिए, उन्होंने विशेष रूप से ऐसे आकलन हेतु एक अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ऐसी स्थिति में, श्री आर, श्री पी और श्री एस का यह कर्तव्य था कि वे इंजीनियर द्वारा प्रदान की गई मूल्यांकन रिपोर्ट का उपयोग करने से पहले, उपयोग की गई धारणाओं और विधियों की प्रासंगिकता तथा तर्कसंगतता सुनिश्चित करें। उन्हें अपनी राय व्यक्त करने से पहले ऐसी रिपोर्ट में उपयोग किए गए स्रोत डेटा की प्रासंगिकता, पूर्णता और सटीकता की जांच करने की भी जरुरत थी।

श्री आर और श्री पी को घोर लापरवाही और विशेषज्ञ इंजीनियर के कार्य की पर्याप्तता की जांच किए बिना ऐसी दोषपूर्ण रिपोर्ट का उपयोग करने हेतु जिम्मेदार ठहराया जाएगा, जबकि श्री एस को उनके द्वारा व्यक्त की गई अलग राय के कारण इसके लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा।

10. (क) आंतरिक जांच प्रणाली: आंतरिक जांच प्रणाली से संबंधित सामान्य स्थिति को संक्षेप में निम्नानुसार बताया जा सकता है:

(i) किसी भी एक व्यक्ति का व्यवसाय संचालन के किसी भी महत्वपूर्ण पहलू पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी द्वारा किए गए कार्य की किसी अन्य व्यक्ति द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए।

(ii) कर्मचारियों के कर्तव्यों को समय-समय पर बदला जाना चाहिए ताकि सदस्य काफी लम्बे समय तक एक ही कार्य न करते रहें।

(iii) प्रत्येक कर्माचारी को वर्ष में न्यूनतम एक बार छुट्टी पर जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(iv) जिन व्यक्तियों के पास परिसंपत्तियों की भौतिक अभिरक्षा है, उन्हें लेखा बही का एक्सेस नहीं होना चाहिए।

(v) प्रत्येक वर्ग की परिसंपत्तियों के संबंध में लेखा नियंत्रण होना चाहिए, इसके अलावा, उनकी भौतिक स्थिति स्थापित करने हेतु समय-समय पर निरीक्षण भी होना चाहिए।

(vi) नकदी की हानि या दुरुपयोग को रोकने के लिए, जहां भी संभव हो, यांत्रिक उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए।

(vii) बजटीय नियंत्रण का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, तथा व्यापक विचलनों का समाधान किया जाना चाहिए।

(viii) वर्ष के अंत में, यदि संभव हो तो, इन्वेंट्री से संबंधित ट्रेडिंग गतिविधियों को बंद कर दिया जाना चाहिए, और यह कार्य संगठन के विभिन्न अनुभागों से संबंधित कर्मचारियों द्वारा किया जाना चाहिए।

(ix) वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियों को विभिन्न अधिकारियों के बीच बहुत विवेकपूर्ण तरीके से बांटा जाना चाहिए और जिस तरीके से उनका वास्तव में प्रयोग किया जाता है, उसकी समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए।

(x) लेखांकन अभिलेखों के विभिन्न अनुभागों के आवधिक सत्यापन और परीक्षण हेतु प्रक्रियाएं तय की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सटीक हैं ।

(ख) हां, दी गई स्थिति में आंतरिक जांच प्रणाली से संबंधित सामान्य शर्तों का निम्नानुसार उल्लंघन किया गया है:

(1) क्रय प्रमुख, श्री अमित, बिना किसी निगरानी के खरीद प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण रखते हुए इस सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं कि किसी भी एक व्यक्ति का व्यवसाय संचालन के किसी भी महत्वपूर्ण पहलू पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

(2) पांच वर्षों से अधिक समय तक स्टाफ रोटेशन न करना उस सिद्धांत का उल्लंघन है जिसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को लंबे समय तक एक ही कार्य करने से रोकने हेतु स्टाफ की ड्यूटी को समय-समय पर रोटेट किया जाना चाहिए।

(3) स्टोर मैनेजर श्री गुप्ता को इन्वेंट्री रिकॉर्ड बनाए रखने की अनुमति देना, जबकि इन्वेंट्री भी उनके पास है, इस सिद्धांत का उल्लंघन है कि जिनके पास परिसंपत्तियों की भौतिक मौजूदगी हो, उन्हें लेखांकन

रिकॉर्ड का एक्सेस नहीं होना चाहिए।

11. एसए 570, "चालू समुत्थान" के अनुसार, यदि ऐसी घटनाएं या स्थितियां सामने आई हैं जो संस्था की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा करती हैं, तो लेखापरीक्षक को यह निर्धारित करने हेतु पर्याप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने होंगे कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है या नहीं जो संस्था की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है, इसके लिए अतिरिक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का पालन करना होगा, जिसमें इसकी संभावना को कम करने वाले कारकों पर विचार करना शामिल है। इन प्रक्रियाओं में शामिल होंगे:

(क) जहां प्रबंधन ने अभी तक संस्था की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता का आकलन नहीं किया है, वहां प्रबंधन से आकलन करने का अनुरोध करना।

(ख) चालू समुत्थान के मूल्यांकन के संबंध में प्रबंधन की भावी कार्यवाहियों की योजनाओं का मूल्यांकन करना, क्या इन योजनाओं के परिणाम से स्थिति में सुधार होने की संभावना है और क्या प्रबंधन की योजनाएं परिस्थितियों में व्यवहार्य हैं।

(ग) जहां संस्था ने नकदी प्रवाह पूर्वानुमान तैयार किया है, और पूर्वानुमान का विश्लेषण भावी कार्रवाइयों के लिए प्रबंधन की योजनाओं के मूल्यांकन में घटनाओं या स्थितियों के भविष्य के परिणाम पर विचार करने में एक महत्वपूर्ण कारक है:

(i) पूर्वानुमान तैयार करने हेतु उत्पन्न अंतर्निहित डेटा की विश्वसनीयता का आकलन करना; और

(ii) यह निर्धारित करना कि पूर्वानुमान के अंतर्गत दी गई मान्यताओं के लिए पर्याप्त समर्थन मौजूद है या नहीं।

(घ) इस बात पर विचार करना कि क्या प्रबंधन द्वारा आकलन किए जाने की तिथि के बाद से कोई अन्य तथ्य या जानकारी उपलब्ध हुई है।

(ङ) प्रबंधन से, तथा जहां उपयुक्त हो, वहां प्रशासन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों से, भविष्य की कार्यवाहियों के लिए उनकी योजनाओं तथा इन योजनाओं की व्यवहार्यता के संबंध में लिखित अभ्यावेदन का अनुरोध करना।

दिए गए मामले में, सीए एम को ऐसी बातें पता चली हैं जो संस्था की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती हैं। इसलिए, सीए एम को निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए:

- कंपनी की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता को लेकर प्रबंधन के आकलन की समीक्षा।
- कंपनी के नकदी प्रवाह पूर्वानुमानों और प्रमुख मान्यताओं की तर्कसंगतता की जांच करना और उसकी समीक्षा करना।
- रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाओं की समीक्षा करना जो चालू समुत्थान की धारणा को प्रभावित कर सकती हैं, जैसे कि आगे वित्तीय गिरावट या वित्तपोषण प्राप्त करने में असमर्थता।
- तरलता एवं शोधन क्षमता का आकलन करने हेतु कंपनी के प्रमुख वित्तीय अनुपातों और ऋण समझौतों के अनुपालन का विश्लेषण।
- कंपनी की चुनौतियों और अतिरिक्त वित्तपोषण प्राप्त करने के प्रयासों की समीक्षा तथा बैंक द्वारा आगे ऋण प्रदान करने में अनिच्छा के कारण।
- ग्राहक आधार में कमी, भुगतान में देरी, तथा अन्य परिचालन चुनौतियों के कारण कंपनी की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना।

इसके अलावा, एसए 570 के अनुसार यदि वित्तीय विवरणों में भौतिक अनिश्चितता का पर्याप्त प्रकटीकरण किया गया है, तो लेखा परीक्षक एक अपरिवर्तित राय व्यक्त करेगा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में निम्न हेतु "चालू समुत्थान से संबंधित भौतिक अनिश्चितता" शीर्षक के तहत एक अलग अनुभाग शामिल होगा:

(क) वित्तीय विवरणों में उस टिप्पणी की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए जो पैराग्राफ 19 में निर्धारित मामलों का प्रकटीकरण करता है; तथा

(ख) यह बताने के लिए कि ये घटनाएं या स्थितियां यह दर्शाती हैं कि कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है, जो संस्था की चालू समुत्थान बने रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकती है तथा इस मामले के संबंध में लेखापरीक्षक की राय में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

12. वर्तमान मामले में, सीए यश निम्नलिखित के संबंध में पर्याप्त तथा उचित लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ हैं:

i. देनदारों के संबंध में 175 करोड़ रुपये की शेष राशि की पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा देनदारों द्वारा भुगतान में चूक की गई है और इसके लिए किया गया प्रावधान पर्याप्त नहीं है। लेखापरीक्षा टीम व्यापार प्राप्तियों के वहन मूल्य का पता लगाने में भी असमर्थ है।

ii. कंपनी की 45% इन्वेंट्री के संबंध में प्रबंधन द्वारा न तो भौतिक सत्यापन किया गया है और न ही पर्याप्त इन्वेंट्री रिकॉर्ड बनाए रखा गया है। लेखापरीक्षा टीम भौतिक इन्वेंट्री गणना करने में भी असमर्थ है, इसलिए इन्वेंट्री के मूल्य का सत्यापन नहीं किया जा सका।

उपर्युक्त दोनों परिस्थितियों में लेखापरीक्षक पर्याप्त उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ है, जिसके आधार पर वह अपनी राय बना सके, तथा वित्तीय विवरणों पर अनिर्धारित मिथ्याविवरण के संभावित प्रभाव, यदि कोई हों, तो भौतिक तथा व्यापक दोनों हो सकते हैं।

इस प्रकार, सीए यश को अपनी राय का अस्वीकरण देना चाहिए।

राय के अस्वीकरण पैराग्राफ का प्रासंगिक अंश और राय के अस्वीकरण पैराग्राफ का आधार निम्नानुसार है:

राय का अस्वीकरण

हम नेक्स लिमिटेड के संलग्न वित्तीय विवरणों पर कोई राय व्यक्त नहीं करते हैं। हमारी रिपोर्ट के राय के अस्वीकरण के आधार अनुभाग में वर्णित मामलों के महत्व के कारण, हम इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाए हैं।

राय के अस्वीकरण का आधार

हम देनदारों के संबंध में 175 करोड़ रुपये की शेष राशि की पुष्टि प्राप्त करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान देनदारों ने देय तिथियों पर भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक की है। कंपनी ने लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान 50 करोड़ रुपये के संदिग्ध ऋणों का प्रावधान किया है जो कंपनी की परिस्थितियों में अपर्याप्त है। व्यापार प्राप्तियों का वहन मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सका है।

इसके अलावा, इन्वेंटरी (जो कंपनी की कुल परिसंपत्तियों का 45% है) के संबंध में, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, प्रबंधन ने आवधिक अंतराल पर इन्वेंटरी का भौतिक सत्यापन नहीं किया है। इसके अलावा, कंपनी ने कारखाने में पर्याप्त इन्वेंटरी रिकॉर्ड नहीं बनाए हैं। हम इन्वेंटरी की भौतिक गणना नहीं कर पाएं और इस वजह से इन्वेंटरी के मूल्य को सत्यापित नहीं किया जा सका।

13. संभावित वित्तीय जानकारी की जांच करने हेतु किसी अनुबंध को स्वीकार करने से पहले, लेखा परीक्षक अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित पर विचार करेगा:

- जानकारी का इच्छित उपयोग;
- क्या जानकारी सामान्य या सीमित वितरण हेतु होगी;
- मान्यताओं की प्रकृति, अर्थात्, क्या वे सर्वोत्तम अनुमान हैं या काल्पनिक मान्यताएं हैं;
- सूचना में शामिल किये जाने वाले घटक; और
- वह अवधि जिससे सूचना संबंधित हैं।

ऐसे समय में लेखापरीक्षक को किसी अनुबंध को स्वीकार नहीं करना चाहिए या उससे पीछे हट जाना चाहिए, जब धारणाएँ अवास्तविक हों या जब लेखापरीक्षक

का मानना हो कि संभावित वित्तीय जानकारी उसके इच्छित उपयोग हेतु अनुपयुक्त होगी। लेखापरीक्षक को इस बात पर विचार करना चाहिए कि संस्था की पूर्व की वित्तीय जानकारी पर निर्भरता किस हद तक उचित है।

अनुबंध की शर्तों को औपचारिक रूप देने के लिए, अन्य अनुबंधों की तरह, अनुबंध पत्र भेजकर ग्राहक के साथ शर्तों पर सहमति होना आवश्यक है।

14. **इंटरनेट ऑफ थिंग्स:** आईओटी किसी भी डिवाइस (सेल फोन, कॉफी मेकर, वॉशिंग मशीन, आदि) को इंटरनेट से जोड़ने की अवधारणा है।

आईओटी के मुख्य घटक डेटा संग्रह, विश्लेषण, कनेक्टिविटी और लोग एवं प्रक्रिया हैं। आईओटी से न केवल व्यवसाय मॉडल में बदलाव होता है, बल्कि संगठन के रणनीतिक उद्देश्य भी प्रभावित होते हैं। नए कानूनों एवं विनियमों की वजह से संस्था का जोखिम प्रोफ़ाइल बदल जाता है।

उदाहरण

(i) कनेक्टेड कारें, कनेक्टेड विनिर्माण उपकरण, स्मार्ट होम सिक्योरिटी, (डोरबेल कैमरों या आउटडोर कैमरों से घर की सुरक्षा का विकल्प - उपयोगकर्ता घर से दूर होने पर भी वीडियो फीड देख सकते हैं)।

(ii) मशीनों से प्राप्त डेटा का उपयोग यह पूर्वानुमान लगाने हेतु किया जा सकता है कि उपकरण खराब हो जाएगा या नहीं, जिससे निर्माताओं को लंबे समय तक डाउनटाइम से बचने के लिए पहले से चेतावनी मिल जाएगी।

(iii) अंडों की संख्या किसी निश्चित संख्या से कम होने पर रेफ्रिजरेटर द्वारा किराने की दुकान को अंडों का ऑर्डर देना।

(iv) स्मार्ट ओवन क्यूआर या बार कोड को स्कैन करके और वाई-फाई से कनेक्ट करके काम करता है, जिसका उपयोग यह भोजन को पकाने के उपयुक्त तापमान और समय निर्धारित करने हेतु करता है ताकि भोजन अधपका या जलने से बच सके।

(v) शोधकर्ता ग्राहकों की प्राथमिकताओं और व्यवहार संबंधी डेटा एकत्र करने के लिए आईओटी उपकरणों का उपयोग करते हैं, हालांकि इससे गोपनीयता और सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

आईओटी के सामान्य जोखिम:

आईओटी से जुड़े प्रमुख जोखिमों में डिवाइस की हाइजैकिंग, डेटा साइफनिंग, सेवा हमलों से इनकार, डेटा उल्लंघन एवं डिवाइस चोरी शामिल हैं।

लेखापरीक्षा निहितार्थ

कनेक्टेड डिवाइस और सिस्टम में बदलाव की वजह से लेखापरीक्षक केवल मैन्युअल नियंत्रणों पर निर्भर नहीं रह पाएंगे। इसके बजाय, लेखापरीक्षक को अपनी लेखापरीक्षा में नई प्रणालियों का इस्तेमाल करने की आवश्यकता हो सकती है। लेखापरीक्षा फर्मों को स्वचालित नियंत्रणों के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु लेखापरीक्षक को प्रशिक्षित और अपस्किल करने की जरुरत पड़ सकती है।

उपभोक्ता-आधारित उपकरण जो नए तरीकों से व्यावसायिक परिवेश से जुड़ते हैं, लेन-देन के प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं और प्रबंधन एवं लेखा परीक्षकों के सामने नए जोखिम पेश कर सकते हैं। इसके उदाहरण के तौरपर पेमेंट प्रेसेसिंग टूल्स को लें, जिससे उपयोगकर्ताओं को मोबाइल डिवाइस के माध्यम से रिटेल स्टोर पर क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान करने की सुविधा मिलती है। यह भुगतानों के लिए एक नया रास्ता बना सकता है जो आंशिक रूप से, किसी नए सेवा प्रदाता द्वारा सूचना की आपूर्ति और रूटिंग पर निर्भर हो सकता है। लेखा परीक्षकों को उन लेन-देन की मात्रा और उससे संबंधित प्रक्रियाओं एवं नियंत्रणों पर विचार करने की आवश्यकता होगी।

15. (क) **जब घटक(कों) का लेखा परीक्षक मूल कंपनी से भिन्न लेखा ढांचे के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट करता है:** मूल कंपनी के घटक भारत के बाहर कई भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित हो सकते हैं जो अपने वित्तीय विवरण तैयार करने में मूल कंपनी से भिन्न लेखा ढांचे (जीएएपी) को लागू करते हैं। विदेशी घटक अलग-अलग वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अंतर्गत वित्तीय विवरण

तैयार करते हैं, जो एक प्रसिद्ध ढांचा (जैसे यूएस जीएएपी या आईएफआरएस) या घटक के अधिकार क्षेत्र का स्थानीय जीएएपी हो सकता है। स्थानीय घटक लेखा परीक्षक मूल कंपनी के जीएएपी का उपयोग करके तैयार किए गए वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट करने में असमर्थ हो सकते हैं क्योंकि वे ऐसे जीएएपी से अपरिचित होते हैं।

जब किसी घटक के वित्तीय विवरण ऐसे लेखांकन ढांचे के अंतर्गत तैयार किए जाते हैं जो मूल कंपनी द्वारा समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले ढांचे से अलग होता है, तो मूल कंपनी का प्रबंधन घटक द्वारा उपयोग किए जाने वाले ढांचे से घटक के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों को उस ढांचे में परिवर्तित करता है जिसके अंतर्गत समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं। ऐसे परिवर्तन का लेखा-परीक्षण मुख्य लेखा परीक्षक द्वारा किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घटक(कों) की वित्तीय जानकारी समेकन के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त और उचित है।

एक घटक वैकल्पिक रूप से मूल कंपनी की लेखा नीतियों के आधार पर वित्तीय विवरण तैयार कर सकता है, जैसा कि समूह लेखा मैनुअल में उल्लिखित है। समूह लेखा मैनुअल में आम तौर पर प्रासंगिक प्रकटीकरण जरुरतों सहित सभी लेखांकन नीतियां शामिल होंगी, जो वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं जिसके तहत समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं। स्थानीय घटक लेखापरीक्षक तब "समूह लेखा नीतियों" के अनुसार तैयार किए गए घटकों के वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी कर सकता है।

घटकों के लिए वित्तीय लेखांकन ढांचे के रूप में समूह लेखांकन नीतियों का उपयोग करने के दृष्टिकोण को लागू करते समय, मुख्य/मूल लेखा परीक्षकों को मूल कंपनी के वित्तीय विवरणों पर लागू जीएएपी के साथ समूह लेखांकन नीतियों के अनुपालन को निर्धारित करने हेतु आवश्यक प्रक्रियाएं करनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि समूह लेखांकन नीतियों की आवश्यकताओं के तहत तैयार की गई जानकारी मूल संस्था द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों की

तैयारी के लिए सीधे उपयोग करने योग्य और प्रासंगिक होगी, जिससे घटक के वित्तीय विवरणों और समेकित वित्तीय विवरणों के लिए उपयोग किए गए आधार के बीच अंतर के लिए लेखा परीक्षक द्वारा लेखापरीक्षा की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। फिर मुख्य लेखा परीक्षक यह तय कर सकता है कि घटकों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर निर्भर होने है या नहीं और समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इसका संदर्भ देना है या नहीं।

(ख) **जब घटक(घटकों) का लेखापरीक्षक मूल कंपनी से भिन्न लेखापरीक्षा ढांचे के अंतर्गत रिपोर्ट करता है:** सामान्यतः, समेकित वित्तीय विवरणों सहित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों ("भारतीय जीएएएस") के अंतर्गत की जाती है।

लेखापरीक्षा ढांचे की एकरूपता बनाए रखने तथा मूल लेखापरीक्षक को समेकित वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अन्य लेखापरीक्षक की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर भरोसा करने तथा उसका संदर्भ लेने के लिए, घटकों के वित्तीय विवरणों का भी भारतीय जीएएएस के अनुरूप ढांचे के अंतर्गत लेखापरीक्षा की जानी चाहिए।

(ग) **जहां एक या एक से अधिक घटकों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की जाती है:** समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल सभी घटकों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की जानी चाहिए या मल्टी-लोकेशन ग्रुप ऑडिट के संदर्भ में लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के अधीन होना चाहिए। इस तरह की लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्टिंग करने वाले लेखापरीक्षक या घटकों के लेखापरीक्षक द्वारा की जा सकती हैं।

जहां एक या एक से अधिक घटकों के वित्तीय विवरण अभी भी लेखापरीक्षित नहीं हैं, समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्टिंग करने वाले लेखा परीक्षक को समेकित वित्तीय विवरणों पर अपनी रिपोर्ट में संभावित संशोधन का मूल्यांकन करते समय अलेखापरीक्षित घटकों पर विचार करना चाहिए। ऐसा मूल्यांकन आवश्यक है क्योंकि लेखा परीक्षक (या अन्य लेखा परीक्षक, जैसा भी मामला हो) ऐसी समेकित राशियों/शेषों के संबंध में पर्याप्त उचित लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त

करने में सक्षम नहीं है। ऐसे मामलों में, लेखा परीक्षक को एसए 705, "स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में राय में संशोधन" में दिए गए मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्टिंग करते समय अलेखापरीक्षित रहने वाली ऐसी स्थिति के संभावित प्रभाव पर गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों कारकों का मूल्यांकन करना चाहिए।

16. बैंक प्राइम लिमिटेड को 75 करोड़ रुपये की नकद ऋण सुविधा देने वाले कंसोर्टियम का सदस्य है। बैंक का अपना हिस्सा केवल 15 करोड़ रुपये है। पिछली दो तिमाहियों के दौरान ब्याज के रूप में 2.75 करोड़ रुपये के नामे के मुकाबले, एक्स लिमिटेड के खाते में केवल 1.75 करोड़ रुपये जमा हैं। कभी-कभी, कई बैंक एक बड़े ग्राहक को समान शर्तों एवं आनुपातिक अधिकारों के साथ सुरक्षा पर अग्रिम देने हेतु एक 'लीड बैंक' के नेतृत्व में एक समूह ('कंसोर्टियम') बनाते हैं। ऐसे मामलों में, प्रत्येक बैंक अपने द्वारा दिए गए अग्रिम को वसूली के अपने अनुभव और अन्य कारकों के अनुसार वर्गीकृत कर सकता है। चूंकि पिछली दो तिमाहियों में राशि बकाया है और इसलिए, ब्याज राशि को रिवर्स दिया जाना चाहिए। ऐसा लीड बैंक के ऐसे प्रमाण पत्र के बावजूद है कि खाते को निष्पादित के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तदनुसार, राशि को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में दिखाया जाना चाहिए।

17. **(क)** दिए गए मामले में, ऋषि ने संवितरण रिकॉर्ड में कई विसंगतियां पाईं और संदेह जताया कि आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में कुछ खामियां हो सकती हैं। वह अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने को लेकर चिंतित है, जबकि यह सुनिश्चित करना चाहता है कि प्रबंधन इन मुद्दों से अवगत हो।

संगठन के लेखांकन कार्य और वित्तीय अभिलेखों के संबंध में एक आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में ऋषि की जिम्मेदारियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- लेखांकन प्रक्रियाओं, प्राप्तियों एवं संवितरणों की जांच करके आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता सुनिश्चित करना तथा परिसंपत्तियों के दुरुपयोग के विरुद्ध पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना।

- लेखा स्टाफ से स्वतंत्र रूप से कार्य करना तथा किसी भी तरह से अपने ऊपर सौंपी गई जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटना।
- कार्यकारी कार्यों के निष्पादन में शामिल न होना ताकि निहित स्वार्थ की वजह से वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अस्पष्ट न हो जाए।
- तथ्यों तथा स्थितियों का अवलोकन करना तथा उन्हें प्राधिकारियों के ध्यान में लाना, जो अन्यथा कभी उनके बारे में नहीं जान पाते; साथ ही, प्रबंधन की विभिन्न नीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना तथा जहां कहीं भी सुधार की आवश्यकता हो, वहां किसी भी कमी की ओर उनका ध्यान आकर्षित करना।
- प्रबंधन से जुड़ना तथा व्यवसाय को प्रभावित करने वाली सभी महत्वपूर्ण घटनाओं तथा घटनाक्रमों के साथ-साथ व्यवसाय नीतियों में किए गए परिवर्तनों के बारे में जानकारी रखते हुए ज्ञान को अद्यतन रखना।
- हर वक्त, आंतरिक लेखा परीक्षक को स्वतंत्र दर्जा प्राप्त होना चाहिए।

(ख) एसए 610 "आंतरिक लेखा परीक्षक के कार्य का उपयोग" के अनुसार, बाहृय लेखा परीक्षक उन प्रक्रियाओं को निष्पादित करने हेतु प्रत्यक्ष सहायता के लिए आंतरिक लेखा परीक्षकों का उपयोग नहीं करेगा, जिनमें लेखा परीक्षा में महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो।

चूंकि बाहृय लेखापरीक्षक के पास व्यक्त लेखापरीक्षा राय हेतु एकमात्र जिम्मेदारी होती है, इसलिए बाहृय लेखापरीक्षक को लेखापरीक्षा कार्य में महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

महत्वपूर्ण निर्णयों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मिथ्याविवरण के जोखिम का आकलन करना;
- परीक्षणों की पर्याप्तता का मूल्यांकन करना;
- प्रबंधन द्वारा चालू समुत्थान धारणा के उपयोग की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना;

- महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमानों का मूल्यांकन करना; और
- वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता, तथा लेखापरीक्षक की रिपोर्ट को प्रभावित करने वाले अन्य मामले का मूल्यांकन करना।

उपरोक्त के मद्देनजर, सीए नितिन एसए 610 के अनुसार प्रबंधन द्वारा चालू समुत्थान धारणा के उपयोग की उपयुक्तता के मूल्यांकन के संबंध में आंतरिक लेखा परीक्षकों से सीधे सहायता नहीं मांग सकते हैं।

18. (क) स्थिति में बताई घई गतिविधि सम्यक् तत्परता है। सम्यक् तत्परता विवेकपूर्ण गतिविधि या प्रयास की एक माप है, जो अपेक्षित है, और आमतौर पर किसी विशेष परिस्थिति में किसी उचित और विवेकशील व्यक्ति द्वारा प्रयोग किया जाता है, इसे किसी भी पूर्ण मानक द्वारा नहीं मापा जाता है, बल्कि यह मामले के सापेक्ष तथ्यों पर निर्भर करता है। इसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय संभावनाओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन शामिल है। यह किसी भी लेन-देन में सावधानी बरतने के सामान्य कर्तव्य को दर्शाता है।

सम्यक् तत्परता जांच की एक प्रक्रिया है, जो निवेशकों द्वारा संभावित निवेश के विवरण जैसे कि संचालन और प्रबंधन की जांच एवं भौतिक तथ्यों के सत्यापन हेतु की जाती है। इसमें सभी भौतिक विवरणों/सूचनाओं या दस्तावेजों के समय पर, पर्याप्त व सटीक प्रकटीकरण के उद्देश्य से पूछताछ करना शामिल है, जो लेनदेन के परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। सम्यक् तत्परता में पुनर्गठन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन हेतु वित्तीय और गैर-वित्तीय संभावनाओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन शामिल है।

सम्यक् तत्परता में किसी कंपनी में हिस्सेदारी हासिल करने से पहले किया गया विश्लेषण शामिल होता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि व्यवसाय की शर्तें लक्षित व्यवसाय के बारे में पेश की गई बातों के अनुरूप हैं। इसके अलावा, सम्यक् तत्परता किसी निवेश की सिफारिश या ऋण/क्रेडिट को आगे बढ़ाने के लिए भी लागू हो सकता है।

(ख) यदि उपरोक्त गतिविधि किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाती है जो सनदी लेखाकार नहीं है, तो उत्तर में कोई अंतर नहीं होगा। यह गतिविधि सम्यक् तत्परता ही रहेगी। सम्यक् तत्परता कोई भी व्यक्ति कर सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि सम्यक् तत्परता केवल सनदी लेखाकार द्वारा ही किया जा सकता है। चूंकि सम्यक् तत्परता में किसी भी लेन-देन में सावधानी बरतने का विवेक और सामान्य कर्तव्य शामिल है, इसलिए इसे कोई भी व्यक्ति कर सकता है।

(ग) वे क्षेत्र जहां सम्यक् तत्परता किया जा सकता है, वे हैं: -

(i) कॉर्पोरेट पुनर्गठन

(ii) उद्यम पूंजी वित्तपोषण

(iii) सार्वजनिक पेशकश

19. बीआरएसआर पर आश्वासन प्रदान करने हेतु कपिल द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली इस प्रकार है:

- ईएसजी रिपोर्ट, मापदंडों की प्रारंभिक समीक्षा
- ईएसजी रिपोर्ट का ऑन-साइट मूल्यांकन / सत्यापन
- मूल्यांकन रिपोर्ट एवं मूल्यांकन विवरण जारी करना
- प्रतिक्रियाओं की समीक्षा तथा निष्कर्षों पर स्पष्टीकरण
- ऑन-साइट मूल्यांकन और दस्तावेज़ समीक्षा के निष्कर्षों को पेश करना
- मूल्यांकन के अंतिम परिणाम सहित मूल्यांकन / सत्यापन रिपोर्ट तैयार करना

20. (क) परिषद के सामान्य दिशा-निर्देश 2008 के अनुसार, खंड IX के तहत वैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्ति पर संस्थान का कोई भी कार्यरत सदस्य ऐसे किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सरकारी कंपनियों/सूचीबद्ध कंपनियों और अन्य सार्वजनिक कंपनियों के वैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्ति को स्वीकार नहीं करेगा, जिनका एक वर्ष में कारोबार 50 करोड़ रुपये या उससे अधिक है और जहां वह उसी उपक्रम के संबंध में कोई अन्य कार्य या कार्यभार या सेवा स्वीकार करता है, जिसका पारिश्रमिक कुल मिलाकर उसी

उपक्रम के वैधानिक लेखा परीक्षा करने हेतु देय शुल्क से अधिक है। इस प्रयोजन के लिए, अन्य कार्य/सेवाओं में प्रबंधन परामर्श और परिषद द्वारा अनुमत सभी अन्य व्यावसायिक सेवाएं शामिल हैं, जिनमें किसी अन्य क़ानून के तहत लेखा परीक्षा, वैधानिक लेखा परीक्षक द्वारा किया जाने वाला प्रमाणन कार्य तथा किसी प्राधिकरण के समक्ष कोई प्रतिनिधित्व शामिल नहीं है।

दिए गए मामले में, कंपनी ने सांविधिक लेखा परीक्षक सीए वायु को 1.75 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक पर आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रतिनिधित्व करने का कार्य सौंपा है।

निष्कर्ष: उपर्युक्त प्रावधान के मद्देनजर, यदि वायु 1.75 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक पर आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रतिनिधित्व का कार्य स्वीकार करता है तो यह उसकी ओर से कदाचार नहीं होगा।

(ख) सनदी लेखाकार अधिनियम, 1949 की प्रथम अनुसूची के भाग 1 के खंड 6 के अनुसार, यदि कोई सनदी लेखाकार, कार्यरत है और वह परिपत्र, विज्ञापन, व्यक्तिगत संचार या साक्षात्कार या किसी अन्य माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्राहकों या पेशेवर कार्य का अनुरोध करता है, तो वह व्यावसायिक कदाचार का दोषी होगा।

बशर्ते कि निम्न में निहित कोई भी बात निम्नलिखित से रोकती या प्रतिषिद्ध करती हो -

(i) किसी सनदी लेखाकार को किसी अन्य कार्यरत सनदी लेखाकार से व्यावसायिक कार्य हेतु आवेदन करने, अनुरोध करने, आमंत्रित करने या प्राप्त करने से रोकता हो; या

(ii) किसी सदस्य को समय-समय पर व्यावसायिक सेवाओं या संगठनों के विभिन्न उपयोगकर्ताओं द्वारा जारी निविदाओं या पूछताछ का जवाब देने और परिणामस्वरूप व्यावसायिक कार्य प्राप्त करने से वंचित किया जाए।

हालांकि, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की परिषद द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, संस्थान का कोई भी प्रैक्टिस करने वाला सदस्य किसी संगठन या पेशेवर सेवाओं के उपयोगकर्ता द्वारा जारी किसी भी निविदा में आवेदन नहीं करेगा, जो जो विशेषतः चार्टर्ड अकाउंटेंट्स हेतु आरक्षित हैं, जैसे लेखापरीक्षा एवं साक्ष्यांकन सेवाएँ। हालाँकि, ऐसा प्रतिबंध वहाँ लागू नहीं होगा जहाँ ऐसे कार्य का न्यूनतम शुल्क निविदा दस्तावेज़ में ही निर्धारित हो या जहाँ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ-साथ अन्य पेशेवरों के लिए भी क्षेत्र खुले हों।

दिए गए मामले में, संजीव एंड एसोसिएट्स ने त्रैमासिक ई-टीडीएस रिटर्न दाखिल करने हेतु पीएफ कार्यालय, चेंबूर की एक निविदा में आवेदन किया।

निष्कर्ष: संजीव एंड एसोसिएट्स उक्त निविदा में आवेदन कर सकते हैं क्योंकि निविदा सभी श्रेणियों के लिए है यानी यह चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के साथ-साथ अन्य पेशेवरों के लिए भी है।